1. 001
2. **समकित धन्यकुमार जैन**
3. पंचरतन/घिढ़ार
4. 04.03.1992
5. 8.20
6. ललितपुर
7. B.Tech (Chem.)
8. 6'
9. गोरा
10. सर्विस-जेके टायर्स, मैसूर
11. 12.00 लाख
12. हाँ
13. -
14. एच-37, सनराइज मेगा सिटी राजघाट रोड़, तिली, सागर (म.प्र.)
15. **9111022848, 9826652076**

1. 002
2. **आदर्श सनतकुमार पवैया**
3. भंडारी/बिलौआ
4. 21.07.1993
5. 6.55
6. टीकमगढ़
7. B.E. (E.C)
8. 5'8''
9. गोरा
10. सर्विस-इन्दौर
11. -
12. हाँ
13. -
14. तालाबपुरा ललितपुर (उ.प्र.)
15. **9425474432, 9208152855**

1. 003
2. **रिंकी प्रवीण कुमार जैन**
3. फणीश/म्याने
4. 12.10.1994
5. 9.15
6. मड़िया
7. B.A., D.ed.
8. 5'/50 कि.
9. गोरा
10. -
11. -
12. हाँ
13. नहीं
14. ग्राम व पोस्ट मड़िया जिला निवाड़ी
15. **9754305098, 9993382719**

1. 004
2. **प्रशांत प्रमोदकुमार जैन**
3. फणीश/बिलौआ
4. 31.03.1991
5. 02.20
6. देवेन्द्रनगर
7. B.B.A., M.B.A.
8. 5'8''
9. गोरा
10. शेयर मार्केट, इन्दौर
11. 4.80 लाख
12. हाँ
13. -
14. सलेहा रोड, देवेन्द्रनगर जिला पन्ना (म.प्र.)
15. **7898139696, 9907370882**

1. 005
2. **कोणार्क दिनेशकुमार जैन**
3. वैद्य/पवैया
4. 13.03.1992
5. 20.00
6. नागपुर (महा.)
7. M.B.A.
8. 5'5''
9. गोरा
10. व्यवसाय
11. -
12. -
13. -
14. परवारपुरा जैन मंदिर के पास, इतवारी, नागपुर (महाराष्ट्र)
15. **9326614740, 9146065606**

1. 006
2. **शुभम महेन्द्रकुमार जैन**
3. दिवाकीर्ति/फणीश
4. 08.07.1993
5. 6.20
6. भोपाल
7. B.Com, L.L.B, C.S.
8. 5'/-
9. गेहुँआ
10. -
11. -
12. -
13. -
14. सी-सेक्टर, शाहपुरा भोपाल (म.प्र.)
15. **9893327403, 6261214299**

हार्दिक बधाईयाँ...

आशू जैन ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर से ''पीने के पानी की शुद्धता एवं अशुद्धता की गुणवत्ता तथा मानव शरीर पर उसका प्रभाव'' विषय पर शोध कर डाक्टरेट की उपाधि ग्रहण कर अपने परिवार व समाज को गौरवांवित किया है । आप ललितपुर के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री प्रकाशचंद जैन की सुपत्री है ।

नवोदित चित्रकार **रिया जैन** को भोपाल में 22 जनवरी को राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने बाल शक्ति अवार्ड से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात पर श्री मोदी ने अपने ट्वीटर पर लिखा कि रिया जैन से मिलने पर बहुत खुशी हुई है मैं उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

डॉ. चन्द्रकुमार-शशि जैन, सागर को आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज की परम शिष्या आर्यिका 105 सुनयनामति माताजी की पिच्छिका प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है ।

राष्ट्रीय जनगणना रजिस्टर में जैन अवश्य लिखवायें ।

अप्रैल 2020 से होने वाले राष्ट्रीय जनगणना रजिस्टर में अपने नाम के बाद सिर्फ जैन सरनेम ही लिखें । आप जैन है इसका उल्लेख आपको अपने जनगणना रजिस्टर में अनिवार्य रुप से करना चाहिए । चाहे आप अपने नाम के बाद पंचरत्न,मोदी, वैद्य, फणीश,मनोरिया या कोई भी सरनेम लगाते हो । आपसे सविनय निवेदन है कि आप अपने नाम के बाद सिर्फ जैन शब्द का ही उपयोग करें । हमारा राष्ट्रीय जनगणना रजिस्टर में जैन की गणना पश्चात हमें ज्ञात हो सकेगा कि संपूर्ण भारत में कितने जैन सदस्य है ।अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि आप अपने नाम में सिर्फ जैन का ही उल्लेख करेंगे ।

आचार्यश्री की मौजूदगी में हजारों भक्तों ने मुनिश्री को दी नम आंखों से अंतिम विदाई

सुसनेर। 72 साल के जैन मुनि मार्दव सागर महाराज जिन्होंने आचार्य दर्शन सागर महाराज से 29 साल पहले टोंक राजस्थान में छुल्लक दीक्षा ली थी । ऐसे संत को बुधवार को अपनी जिंदगी के अंतिम समय का अहसास हो गया, इसीलिए उन्होंने आचार्य दर्शनसागर महाराज जी से मुनि दीक्षा धारण की तथा नवकार के उच्चारण के साथ अपना देह त्याग दिया । देह त्यागने से पूर्व अपने जीवन की सभी वस्तुओं को छोड़कर व्रत (संलेखना) ले ली। समाधि के बाद उनकी अंतिम यात्रा पूरे शहर में निकली और अंतिम संस्कार के समय जैन साध्वी और मुनियों सहित धर्मजनों ने उनकी चिता की परिक्रमा लगाकर अंतिम विदाई दी । महाराज की विदाई आस पास के क्षेत्र में हजारों की संख्या में समाजजन अंतिम यात्रा डोल में शामिल हुए ।

वो 20 मिनिट – समाधि के पूर्व सुबह 11.40 मिनिट पर त्रिमूर्ति मंदिर में मौजूद मुकेश जैन एवं मुकेश सांवला महाराज के हाल जानने के पहुंचे । उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं दिखा तो उन्होंने आचार्यश्री को बुलाया । अपनी मौत का अहसास होने पर मुनिश्री मार्दवसागर ने खुद कपड़े उतार मुनि दीक्षा की इच्छा जताई । बाद में आचार्यश्री ने मुनि दीक्षा देकर 28 मूलगुण, आहार, पानी का त्याग करवाकर, समाधिमरण सुनवाया । समाधिमरण सुनते सुनते ही 12.01 बजे उन्होंने देह त्याग दिया ।

अंतिम सत्य है मृत्यु – आचार्य दर्शन सागर महाराज ने कहा जीवन का अंतिम सत्य है मृत्यु । जिस गांव में जिस परिवार के व्यक्ति की समाधि होती है उस गांव एवं परिवार के लोगों के लिए यह शुभ है । पंचकल्याणक से पूर्व समाधि होना कहीं ना कहीं शुभ संकेत है ।

मुनि बनने से पहले थे – मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ के बछोड़ निवासी मुनि मार्दवसागर अपने गृहस्थ जीवन में महेश कुमार जैन के नाम से जाने जाते थे । आप गोलालारीय समाज से थे । वर्ष 1948 में जन्मे महेश कुमार बचपन से ही धार्मिक थे । महाराज के भाई अशोक कुमार भोपाल ने बताया जब 30 साल की उम्र में थे तब से घर छोड़

बाल ब्रह्मचारी की दीक्षा धारण कर ली थी । ग्रहस्थ जीवन के दो छोटे भाई नरेन्द्र कुमार एवं अशोक कुमार हैं । इनसे बड़ी बहन राजवती जैन है । आप श्री नागेन्द्र जैन (पारस चैनल) के ताऊजी थे।

बच्चों से प्रेम के साथ लिखवाते थे धर्मग्रंथ – मुनिश्री मार्दवसागर महाराज का बच्चों से जैन धर्म की पुस्तकें लिखवाते थे तथा उन्हें धर्मज्ञान देते थे । शांत स्वभाव के इस संत को अंतिम समय में पैर व पथरी की समस्या रही । इसके बाद भी संयम का मार्ग नहीं छोड़ा ।

* विनम्र श्रद्धांजली *

* श्री महेन्द्रकुमार जैन बुढ़वार वालों की धर्मपत्नी एवं नवीन, मनीष, प्रवीण जैन की माताजी का देवलोकगमन दि. 13 दिसम्बर को ललितपुर में हो गया ।

* श्री कमल, नरेश, सुरेश, दिनेश की माताजी **श्रीमती मेंदाबाई** त्रिलोकचंद जैन का देवलोकगमन दि. 14 दिसम्बर को नागपुर में हो गया ।

* कमलेश,करकेश, दीपक व प्रदीप की माताजी श्रीमती **गजराबाई** स्व. श्री खेमचंद जैन का देवलोकगमन दि. 16 दिसम्बर को विदिशा में हो गया। आप सरल स्वभाव की धार्मिक महिला थी । आपकी स्मृति में परिजनों ने 1100 रु. गोलालारीय दर्शन परिवार को दान स्वरुप भेंट किये ।

* श्री आनंद व मुकेश जैन की माताजी **श्रीमती शांतीबाई** धर्मपत्नी स्व. श्री राजमल जैन का देवलोकगमन 31 दिसम्बर को विदिशा में हो गया ।

* श्री निर्मलकुमारजी की माताजी **श्रीमती गुलाबबाई जैन** धर्मपत्नी स्व. श्री रुपचंद जैन का देवलोकगमन दि. 16 जनवरी को इन्दौर में हो गया ।

* श्री सुरेशचंदजी जैन 'मऊवाले' के बड़े सुपुत्र **श्री विशाल जैन** का आकस्मिक निधन दि. 21 जनवरी को इन्दौर में हो गया ।

* स्व. श्री राजेन्द्रकमारजी की धर्मपत्नी एवं मनोज जैन की माताजी **श्रीमती पुष्पादेवी जैन** का देवलोक गमन दि. 23 जनवरी को विदिशा में हो गया । आप धार्मिक एवं मिलनसार प्रवृत्ति की कुशल गृहिणी थी ।

* श्री राकेश एवं अभिषेक जैन के पिताजी **श्री हीरालालजी** का देवलोकगमन 12 फरवरी को विदिशा में हो गया

* स्व. श्री शोभागमलजी सिंघई के पुत्र **श्री लक्ष्मीचंदजी जैन** का देवलोकगमन 13 फरवरी को इन्दौर में हो गया ।

* राजेन्द्र कुमार, सनतकुमार एवं संजय सराफ के पिताजी **श्री संतोषचंद्रजी जैन सराफ** का देवलोकगमन दि. 13 फरवरी को ललितपुर में हो गया ।

* श्री अनिल, अजय एवं अनूप जैन के पिताजी **श्री बच्चूलालजी जैन** (जनता टिम्बर) का देवलोकगमन दि. 18 फरवरी को कानपुर में हो गया ।

* **श्री बादामीलाल जैन** का देवलोकगमन भोपाल में हो गया ।

नोट – विधिवत जानकारी प्राप्त होने पर ही शोक संदेश का सचित्र प्रकाशन किया जावेगा ।

द्वितीय पुण्य स्मृति : श्रीमती कुसुम मानोरिया

श्रद्धा सुमन

कुन्दनलाल जैन मानोरिया

पुत्रवधु एवं पुत्र – श्रीमती लता राजेश मानोरिया
श्रीमती मनीषा संजय मानोरिया

प्रपौत्र – श्रीमती सुरभि सिद्धार्थ मानोरिया
सिद्धांत, सानिध्य, संस्कृति मानोरिया

देह त्याग –
दि. 22 जनवरी 2018

स्मृति में – कुसुम कुन्दन जैन, मानोरिया धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट की स्थापना 25 लाख रुपये से की गयी । जिसके ब्याज से धार्मिक कार्य, सामाजिक कार्य, जरुरतमंद को शिक्षा, स्वास्थ्य आजीविका में सहयोग एवं पाठशालाओं को प्रोत्साहन के लिये सहयोग किया जायेगा ।

मैदाबाई

गजराबाई

शांतिबाई

गुलाबबाई

विशाल

पुष्पादेवी

हीरालाल

लक्ष्मीचंद

संतोष

बच्चूलाल

बदामीलाल

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता है ।